हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 26)(बढ़े चलो–द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी)
(कक्षा 6)

प्रश्न 1:
कविता की पंक्तियाँ पूरी करो

उत्तर 1:
क. वीर तुम बढ़े चलो ।
क. धीर, तुम बढ़े चलो ।।

ख. ध्वज कभी झुके नहीं ,
ख. दल कभी रुके नहीं।

ग. तुम निडर, हटो नहीं ,
ग. तुम निडर, डटो वहीं ।

घ. सूर्य से बढ़े चलो ,
घ. चंद्र से बढ़े चलो ।

प्रश्न 2:
समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

उत्तर 2:

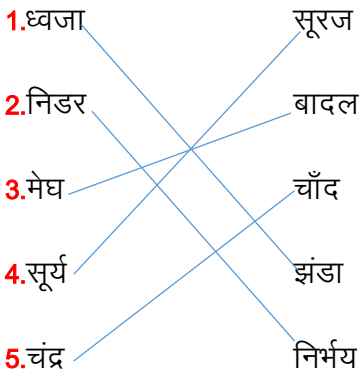

प्रश्न 3:
पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो

उत्तर 3:
1. वीरों के हाथ में क्या रहना चाहिए?
1. वीरों के हाथ में ध्वज रहना चाहिए ।

2. वीरों को निडर होकर क्या करना चाहिए ?
2. वीरों को निडर होकर आगे बढ़ना चाहिए ।

3. मेघ और बिजलियाँ क्या–क्या करती हैं ?
3. मेघ बरसते हैं और बिजलियां कड़कती हैं ।

4. वीरों को किस–किस की तरह बढ़ना चाहिए ?
4. वीरों को निडर होकर सिंह की तरह दहाड़ते हुए आगे बढ़ना चाहिए ।